

**दस्तूर** पुं. (फा.) 1. तौर-तरीका, परंपरा जैसे-हमारे यहाँ का दस्तूर है कि 2. कायदा, प्रणाली जैसे-दस्तूर के अनुसार बड़े अधिकारी से पहले छोटे अधिकारी को मिल लेना चाहिए।

**दस्तूरी स्त्री.** (फा.) एक प्रकार की दलाली की रकम।

**दस्यु** पुं. (तत्.) 1. डाकू, लुटेरा, दुष्ट 2. प्राचीन धर्मशास्त्र के अनुसार जो आर्य न हो अर्थात् अधर्म-आचरण करे और धर्मकार्यों में विघ्न डाले।

**दस्यु-वृत्ति स्त्री.** (तत्.) डाकू का पेशा, डाकेजनी, डाका।

**दह** पुं. (तद्.) 1. नदी का वह भाग जो अत्यंत गहरा हो 2. नदी में प्राकृतिक रूप से बना हुआ गहरा कुंड जैसे कालिय दह भूवि. महासागर के तल में बना गहरा (18 हजार फीट से अधिक) खड्ड।

**दहक स्त्री.** (देश.) 1. आग की लपट, ज्वाला 2. जलन, ताप।

**दहकन स्त्री.** (देश.) दहकने की क्रिया या भाव।

**दहकना** अ.क्रि. (देश.) धू-धू कर जलना, लपट के साथ जलना।

**दहकाना** स.क्रि. (देश.) 1. अत्यंत तीव्रता से या लपटों के साथ जलाना, इस प्रकार जलाना कि जलने वाली वस्तु जलकर आग बन जाए जैसे-कोयले दहकाना 2. (किसी को) अत्यंत उत्तेजित करना, भडकाना।

**दहड़ दहड़ कर** अव्य. (देश.) लपटों के साथ, धाँय-धाँय, धू-धू करके, धधक कर (जलना)।

**दहन** पुं. (तत्.) 1. जलने की क्रिया या भाव 2. अग्नि, आग 3. जलाने वाला रसा. ऑक्सीजन के संयोग से जलने की प्रक्रिया जिससे प्रकाश और ऊष्मा उत्पन्न हो।

**दहनशील** वि. (तत्.) 1. जलने या जलाने के गुण से युक्त 2. जलता हुआ।

**दहना** स.क्रि. (देश.) 1. जलाना, भस्म कर देना 2. कष्ट देना, मानसिक रूप से संतप्त करना अ.क्रि. जलना, भस्मीभूत हो जाना।

**दहनि** पुं. (तद्.) दे. दहन (कविता में प्रयोग)।

**दहनीय** वि. (तत्.) जलने या जलाने योग्य।

**दहनोन्माद** पुं. (तत्.) मनो. एक मानसिक विकृति जिसमें कामवासना से पीड़ित व्यक्ति को आग लगा देने की इच्छा होने लगती है।

**दहल स्त्री.** (देश.) घबराहट, भय से काँपने का भाव, थराहट।

**दहलना** अ.क्रि. (देश.) घबरा जाना, भय के कारण स्तब्ध हो जाना, बढ़ते कदम एकाएक रुक जाना।

**दहला** वि. (देश.) ताश के खेल में वह पत्ता जिस पर दस संख्या का चिह्न हो मुहा. नहले पर दहला-मुँहतोड़ जवाब अ.क्रि. दहलना क्रिया का भूतकाल का एकवचन का रूप।

**दहलाना** स.क्रि. (देश.) (किसी को) बुरी तरह डरा देना, इतना डरा देना कि सामने वाले शत्रु का साहस समाप्त हो जाए।

**दहली** वि. (तत्.) देहली या दहलीज, दहला का स्त्रीलिंग।

**दहलीज** स्त्री. (फा.) दरवाजे की चौखट की वह लकड़ी जो जमीन से लगी रहती है, दरवाजे का जमीन से कुछ उठा हुआ वह भाग जो कमरे को बाहरी क्षेत्र से अलग दर्शाता है, देहरी, देहली।

**दहशत** स्त्री. (अर.) भय, आतंक की कल्पना मात्र से उत्पन्न होने वाला भय।

**दहशत-अंगेज** वि. (अर.+फा.) दहशत उत्पन्न करने वाला, दहशत से भरा हुआ, भयानक।

**दहशत-अंगेजी** स्त्री. (अर.+फा.) दहशत उत्पन्न करने का भाव, भयंकरता, आतंकित करने का प्रयत्न।

**दहाई** स्त्री. (देश.) भारतीय अंक गणना पद्धति में किसी अंक का दस गुना मान बताने वाला